

भारत का मध्यस्थता अधिनियम

[स्रोत: लाइव मटि](#)

[मध्यस्थता अधिनियम, 2023](#) के कार्यान्वयन में देरी से भारत का **वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR)** ढाँचा प्रभावित हो रहा है।

- **भारतीय मध्यस्थता परषद** के नियमों का मसौदा तैयार करने के लिये **पीके मल्होत्रा** की अध्यक्षता वाली कार्य समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। हालाँकि, सरकार ने अभी तक इन नियमों को अधिसूचित नहीं किया है।
- **मध्यस्थता अधिनियम, 2023 का महत्त्व:**
 - **न्यायिक कार्यभार में कमी:** भारतीय न्यायालयों में लगभग **76.98** मिलियन सविलि विवाद मामले लंबित हैं। इनमें से वाणिज्यिक मुकदमों का हिस्सा **0.36%** और मध्यस्थता का योगदान **0.77%** है, जिन्हें **मध्यस्थता अधिनियम, 2023** के तहत नपिटाया जा सकता है।
 - **पारिवारिक मामले:** इससे **"थर्ड जनरेशन कर्स (Third-Generation Curse)"** को रोकने में मदद मिल सकती है, जहाँ विवादों के कारण **10%** से भी कम पारिवारिक व्यवसाय तीसरी पीढ़ी से आगे तक संचालित रह पाते हैं।
 - **बैंकगि:** ऋण चूक और **गैर-नधिपादति परसिंपत्तयिों (NPA)** से संबंधित विवादों को सुलझाने में सहायक है।
 - **रयिल एस्टेट क्षेत्र:** परियोजना में देरी और **करेता-डेवलपर अनुबंधों** से संबंधित विवादों के त्वरित समाधान में सहायक है।
 - **वैश्विक मानकों के साथ तालमेल:** इससे भारत को **अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मानकों** के साथ समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी, जो सीमा-पार व्यापार विवादों को सुलझाने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।



और पढ़ें: [मध्यस्थता अधिनियम, 2023: न्यायपालिका का कार्यभार कम करना](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-mediation-act-lies-unused>

